

Jos

Chapter 16

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

עָלָה הַמְדָבָר מִזְרְחָהּ יְרִיחוֹ לְמִי יְרִיחוֹ מִיַּרְדֵּן יוֹסֵף לְבָנָי הַגְּזֹרֶל וַיֵּצֵא 1
चढ़ता-है जंगल पूर्व-की-ओर यरीहो जल-को यरीहो यरदन-से यूसुफ पुत्रों-को चिट्ठी और-निकला
[H5927](#) [H4217](#) [H3405](#) [H4325](#) [H3405](#) [H3383](#) [H3130](#) [H1486](#) [H3318](#)

מִיְרִיחוֹ בְּהָר בֵּית-אֵל:
यरीहो-से पहाड़ी-में बैतेल
[H3405](#) [H2022](#) [H1008](#)

यह वह प्रदेश है जिसे यूसुफ के परिवार ने पाया। यह प्रदेश यरदन नदी के निकट यरीहो से आरम्भ हुआ और यरीहो के पूर्वी जलाशयों तक पहुँचा। (यह ठीक यरीहो के पूर्व था) सीमा यरीहो से बैतेल के मरू पहाड़ी प्रदेश तक चली गई थी।

וַיֵּצֵא מִבֵּית-אֵל לְוִזָּה וְעַבְרָה אֶל- גְּבוּל הָאָרֶץ עֲטָרוֹת:
और-निकला बैतेल-से लूजा और-गुजरा की-ओर सीमा अर्की अतारोत
[H3318](#) [H1008](#) [H3870](#) [H0413](#) [H1366](#) [H0757](#) [H5852](#)

सीमा लगातार बैतेल (लूजा) से लेकर अतारोत पर एरेकी सीमा तक चली गई थी।

וַיַּרְדּוּ- אֶל- גְּבוּל הַיַּפְלָטָי עַד גְּבוּל בֵּית-חֹרֶן תַּחְתָּיו וְעַד- גִּזְר 3
और-उतरा- की-ओर सीमा यप्लेती तक सीमा बैत-होरोन निचले और-तक- गेजेर
[H3381](#) [H3220](#) [H0413](#) [H1366](#) [H3311](#) [H5704](#) [H1366](#) [H1032](#) [H8481](#) [H5704](#) [H1507](#)

וְהָיוּ [תְּצַאֲתוּן] (תְּצַאֲתוּן) יָמָה:
और-थे — निकास-उसके पश्चिम
[H1961](#) [H8444](#) [H8444](#) [H3220](#)

तब सीमा पश्चिम में यप्लेतियों लोगों की सीमा तक चली गई थी। यह सीमा लगातार निचले बेथोरोन तक चली गई थी। यह सीमा गेजेर तक गई और समुद्र तक चलती चली गई।

וַיִּנְחְלוּ בְּנֵי- יוֹסֵף מְנַשֶּׁה וְאֶפְרַיִם:
और-विरासत-पाई पुत्रों- यूसुफ मनश्शे और-एप्रेम
[H5157](#) [H3130](#) [H4519](#) [H0669](#)

इस प्रकार मनश्शे और एप्रेम ने अपना प्रदेश पाया। (मनश्शे और एप्रेम यूसुफ के पुत्र थे।)

וַיְהִי גְבוּל בְּנֵי- אֶפְרַיִם לְמִשְׁפַּחְתָּם וַיְהִי גְבוּל נְחֻלָּתָם מִזְרְחָהּ אֲרָרְעֻשְׁתָּרוֹת 5
और-थी सीमा पुत्रों- एप्रेम कुलों-के-अनुसार और-थी सीमा विरासत-उनकी पूर्व-की-ओर अत्रोत-अद्वार
[H1366](#) [H1961](#) [H1366](#) [H0669](#) [H4940](#) [H1961](#) [H1366](#) [H5159](#) [H4217](#) [H5853](#)

עַד- חֹרֶן-בֵּית עֲלִיוֹן:
तक- बैत-होरोन ऊपरले
[H5704](#) [H1032](#)

यह वह प्रदेश है जिसे एप्रेम के लोगों को दिया गया: उनकी पूर्वी सीमा ऊपरी बेथोरोन के निकट अत्रोतदार पर आरम्भ हुई थी।

וַיֵּצֵא הַגְּבוּל הַיָּמָה הַמִּקְמָתָה מִצְפֹּן וְנֹסֵב הַגְּבוּל מִזְרְחָהּ שְׁלֵה-תַּאֲנָת וְעַבְרָה 6
और-निकली सीमा पश्चिम मिक्मतात उत्तर-से और-घूमि सीमा पूर्व-की-ओर तानत-शीलो और-गुजरी
[H3318](#) [H1366](#) [H3220](#) [H4366](#) [H6828](#) [H5437](#) [H1366](#) [H4217](#) [H8387](#)

אוֹתוֹ מִמִּזְרָח יְנוּחָה:
उसे पूर्व-से यानोहा
[H0853](#) [H4217](#)

और यह सीमा वहाँ से सागर तक जाती थी। सीमा पूर्व की ओर मिक्मतात उनके उत्तर में था, तानतशीलो को मुड़ी और लगातार यानोह तक चली गई थी।

7	וַיָּרֶד אֶת-יָנוּחַ מִן-הַהָרִים אֶת-רֹאשׁוֹ וַיֵּרֶד אֶת-נָרָא וַיֵּרֶד אֶת-נָרָא וַיֵּרֶד אֶת-נָרָא
	और-उतरी से यानोहा-से अतारोत अतारोत और-नाराता और-छूआ और-निकला और-निकला
	H3381 H3383 H3318 H3405 H6293 H5852

तब सीमा यानोह से अतारोत और नारा तक चली गई। यह सीमा लगातार चलती हुई यरीहो छूती है और यरदन नदी पर समाप्त हो जाती है। यह सीमा तप्पूह से काना खाड़ी के पश्चिम की ओर जाती है और सागर पर समाप्त हो जाती है।

8	וַיָּרֶד אֶת-יָנוּחַ מִן-הַהָרִים אֶת-רֹאשׁוֹ וַיֵּרֶד אֶת-נָרָא וַיֵּרֶד אֶת-נָרָא
	और-उतरी से यानोहा-से अतारोत अतारोत और-नाराता और-छूआ और-निकला और-निकला
	H3381 H3383 H3318 H3405 H6293 H5852

यह सीमा तप्पूह से काना नदी के पश्चिम की ओर सागर पर समाप्त होती है। यह वह प्रदेश है जो एप्रैम के लोगों को दिया गया। उस परिवार समूह के हर एक परिवार ने इस भूमि का भाग पाया।

9	וַיָּרֶד אֶת-יָנוּחַ מִן-הַהָרִים אֶת-רֹאשׁוֹ וַיֵּרֶד אֶת-נָרָא וַיֵּרֶד אֶת-נָרָא
	और-उतरी से यानोहा-से अतारोत अतारोत और-नाराता और-छूआ और-निकला और-निकला
	H3381 H3383 H3318 H3405 H6293 H5852

וַיָּרֶד אֶת-יָנוּחַ
और-गांवों-उनके

एप्रैम के बहुत से सीमा के नगर वस्तुतः मनश्शे की सीमा में थे किन्तु एप्रैम के लोगों ने उन नगरों और अपने खेतों को प्राप्त किया।

10	וַיָּרֶד אֶת-יָנוּחַ מִן-הַהָרִים אֶת-רֹאשׁוֹ וַיֵּרֶד אֶת-נָרָא וַיֵּרֶד אֶת-נָרָא
	और-उतरी से यानोहा-से अतारोत अतारोत और-नाराता और-छूआ और-निकला और-निकला
	H3381 H3383 H3318 H3405 H6293 H5852

किन्तु एप्रैमी लोग कनानी लोगों को गेजेर नगर छोड़ने को विवश करने में समर्थ न हो सके। इसलिए कनानी लोग अब तक एप्रैमी लोगों के बीच रहते हैं। किन्तु कनानी लोग एप्रैमी लोगों के दास हो गए थे।